DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 March, 2024

बागवानी फसलों का क्षेत्रफल एवं उत्पादन

संदर्भ: *कृषि और किसान कल्याण विभाग ने विभिन्न बागवानी फसलों के क्षेत्र और उत्पादन सम्बन्धी; वर्ष 2022-23 का अंतिम अनुमान और 2023-24 का पहला अग्रिम अनुमान जारी किया है।*

➢ **अवलोकन:**

- भारत का बागवानी क्षेत्र वर्ष 2021-22 में 28.04 मिलियन हेक्टेयर से लगातार बढ़कर वर्ष 2022-23 (अंतिम अनुमान) में 28.44 मिलियन हेक्टेयर और वर्ष 2023-2024 (प्रथम अग्रिम अनुमान) में 28.77 मिलियन हेक्टेयर हो गया।
- यह उत्पादन वर्ष 2021-22 में 347.18 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2022-23 (अंतिम अनुमान) में 355.48 मिलियन टन हो गया, जबकि वर्ष 2023-2024 (प्रथम अग्रिम अनुमान) में 355.25 मिलियन टन पर स्थिरता बनी रही।

➢ **2022-23 की मुख्य बातें (अंतिम अनुमान):**

- वर्ष 2021-22 में कुल बागवानी उत्पादन 2.39% बढ़कर 355.48 मिलियन टन हो गया।
- फलों का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से 110.21 मिलियन टन तक पहुंच गया, जिसमें सेब, केला, अंगूर, आम और तरबूज के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- सब्जियों का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 209.14 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 212.55 मिलियन टन हो गया, जो अधिकांश सब्जियों में सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है।
- प्याज का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 316.87 लाख टन से थोड़ा कम होकर वर्ष 2022-23 में 302.08 लाख टन (अंतिम अनुमान) हो गया।
- आलू के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष के 561.76 लाख टन की तुलना में लगभग 601.42 लाख टन तक पहुंच गया।
- टमाटर के उत्पादन में मामूली गिरावट देखी गई, जो वर्ष 2021-22 में 206.94 लाख टन की तुलना में लगभग 204.25 लाख टन होने का अनुमान है।

➢ **2023-24 की मुख्य बातें (पहला अग्रिम अनुमान):**

- वर्ष 2023-24 के लिए अपेक्षित बागवानी उत्पादन 355.25 मिलियन टन है।
- फलों का उत्पादन 112.08 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से केले, मैंडरिन और आम के उत्पादन में वृद्धि से प्रेरित है।
- गोभी, फूलगोभी, कद्दू, टैपिओका, टमाटर और अन्य सब्जियों में अपेक्षित वृद्धि के साथ सब्जी उत्पादन लगभग 209.39 मिलियन टन होने की परिकल्पना की गई है।
- टमाटर का उत्पादन पिछले वर्ष के लगभग 204.25 लाख टन की तुलना में बढ़कर लगभग 208.19 लाख टन होने की उम्मीद है।
- महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में गिरावट के कारण प्याज का उत्पादन घटकर लगभग 254.73 लाख टन होने का अनुमान है।
- पश्चिम बंगाल के उत्पादन में कमी के कारण आलू का उत्पादन कम होकर लगभग 589.94 लाख टन होने की उम्मीद है।

➢ **एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH):**

- एमआईडीएच एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका लक्ष्य बागवानी क्षेत्र का समग्र विकास करना है, जिसमें फल, सब्जियां, जड़ और कंद वाली फसलें, मशरूम, मसाले, फूल, सुगंधित पौधे, नारियल, काजू, कोको और बांस सहित फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय एमआईडीएच के कार्यान्वयन की देखरेख करता है, जो हरित क्रांति - कृष्णोन्नति योजना के तहत 2014-15 में आरम्भ हुआ था।
- फंडिंग पैटर्न में उत्तर पूर्व और हिमालयी क्षेत्रों को छोड़कर, जहां योगदान 90% है, भारत सरकार सभी राज्यों में विकासात्मक कार्यक्रमों के लिए कुल परिव्यय का 60% योगदान देती है।

- **MIDH की उप-योजनाएँ:**
  - **राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम)**: एनएचएम को 18 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों के चयनित जिलों में राज्य बागवानी मिशन (एसएचएम) द्वारा क्रियान्वित किया जाता है।
  - **उत्तर पूर्व और हिमालयी राज्यों के लिए बागवानी मिशन (HMNEH):** HMNEH उत्तर पूर्व और हिमालयी राज्यों में बागवानी के समग्र विकास पर केंद्रित है।
  - **राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी):** एनएचबी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एमआईडीएच के तहत विभिन्न योजनाएं लागू करता है।
  - **नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी):** सीडीबी सभी नारियल उगाने वाले राज्यों में एमआईडीएच योजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
  - **केंद्रीय बागवानी संस्थान (सीआईएच):** 2006-07 में मेडी जिप हिमा, नागालैंड में स्थापित सीआईएच; उत्तर पूर्वी क्षेत्र में किसानों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

अनुच्छेद 371

संदर्भ*: वर्तमान में अशांति का सामना कर रहे लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र में अनुच्छेद 371 जैसे सुरक्षा उपायों के विस्तार का प्रस्ताव रखा।*

➢ **अनुच्छेद 371 और इसके विशेष प्रावधान:**

- अनुच्छेद 371 और इसके बाद के खंड विशिष्ट राज्यों के लिए विशेष प्रावधान प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य विशेष धार्मिक और सामाजिक समूहों को प्रतिनिधित्व देना और उन्हें अपने मामलों पर स्वायत्तता प्रदान करना है।
- ये प्रावधान इन राज्यों के आंतरिक मामलों में राज्य और केंद्र सरकारों के हस्तक्षेप को रोकते हैं।
- **उदाहरण:** अनुच्छेद 371-A नागालैंड से संबंधित है, जो संसद को राज्य विधानसभा की सहमति के बिना नागा रीति-रिवाजों, भूमि स्वामित्व और सामाजिक प्रथाओं को प्रभावित करने वाले कानून बनाने से रोकता है।
- अनुच्छेद 371-G के तहत मिज़ोरम में मिज़ोस को समान सुरक्षा प्रदान की जाती है।
- अनुच्छेद 371-B और 371-सी क्रमशः असम और मणिपुर की विधानसभाओं में विशेष समितियों की स्थापना को सक्षम बनाते हैं, जिसमें आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों से चुने गए विधायक शामिल होते हैं।
- अनुच्छेद 371-F विभिन्न जनसंख्या वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सिक्किम विधान सभा में आरक्षण प्रदान करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 March, 2024

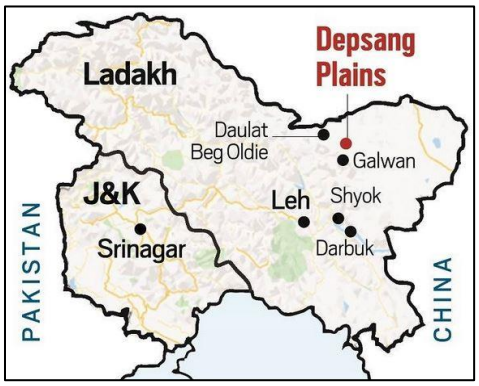

➢ **संविधान की छठी अनुसूची और उसका महत्व:**

- छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम जैसे राज्यों में आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन के लिए प्रावधान किये गए हैं।
- यह इन क्षेत्रों में स्वायत्त जिला और क्षेत्रीय परिषदों (ADC और ARC) के निर्माण की अनुमति देता है, जिससे उन्हें वन प्रबंधन, कृषि और सामाजिक रीति-रिवाजों जैसे विभिन्न विषयों पर कानून बनाने का अधिकार मिलता है।
- एडीसी और एआरसी अनुसूचित जनजातियों के बीच विवादों को सुलझाने, भूमि राजस्व एकत्र करने, कर लगाने, व्यापार को विनियमित करने और स्कूलों और सड़कों जैसी सार्वजनिक सुविधाओं को विकसित करने के लिए ग्राम परिषदों या अदालतों की स्थापना कर सकते हैं।
- छठी अनुसूची के तहत शामिल किए जाने से लद्दाख को जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन करने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कानून बनाने का अधिकार मिल जाएगा।

➢ **लद्दाख को अनुच्छेद 371 के तहत सुरक्षा की सिफारिश:**

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के दौरान लद्दाख में धारा 371 जैसी सुरक्षा बढ़ाने की सिफारिश की थी।
- जबकि सरकार ने नौकरियों, भूमि और संस्कृति से संबंधित चिंताओं को संबोधित करने का आश्वासन दिया, लेकिन उसने लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत शामिल करने से इनकार कर दिया।
- अनुच्छेद 371 जैसे सुरक्षा उपाय छठी अनुसूची के तहत क्षेत्रों को प्राप्त व्यापक स्वायत्तता प्रदान किए बिना लद्दाख की स्थानीय आबादी को सुरक्षा प्रदान करेंगे।
- इन सुरक्षा का उद्देश्य पहाड़ी परिषदों के माध्यम से स्थानीय लोगों का प्रतिनिधित्व और भागीदारी सुनिश्चित करना और सार्वजनिक रोजगार में 80% तक आरक्षण प्रदान करना है।

एंथ्रोपोसीन

संदर्भ: *18 वैज्ञानिकों ने भूवैज्ञानिक समय में एंथ्रोपोसीन, या "मानव युग" की शुरुआत घोषित करने के खिलाफ मतदान किया।*

➢ **भूवैज्ञानिक समय पैमाना (जीटीएस):**

- भूवैज्ञानिक पृथ्वी के इतिहास को मापने के लिए जीटीएस का उपयोग करते हैं, जो लगभग 4.54 अरब वर्षों तक के कालक्रम को मापता है।
- भूवैज्ञानिक समय मापन (GTS) समय को क्रोनोस्ट्रेटीग्राफिक वर्गीकरण के आधार पर कल्पों (aeons), युगों (eras), युग्मों (periods), एपोक्स (epochs) और अवस्थाओं (ages) में विभाजित करता है।
- पृथ्वी के इतिहास में प्रत्येक अंतराल को महत्वपूर्ण घटनाओं द्वारा चिह्नित किया जाता है जो पृथ्वी और इसपर रहने वाले जीवों की स्थितियों को संदर्भित करते हैं।

➢ **प्रस्तावित 'मानव युग':**

- होलोसीन युग लगभग 11,700 वर्ष पहले शुरू हुआ, जो अंतिम हिमयुग के अंत का प्रतीक था।
- इस युग में पृथ्वी पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई और मानव सभ्यता का उदय हुआ, जिसमें सभी मानव इतिहास शामिल थे।
- "एंथ्रोपोसीन" शब्द की उत्पत्ति 2000 वर्ष पहले हुई थी, यह पृथ्वी पर मानव प्रभाव द्वारा परिभाषित एक नए भूवैज्ञानिक युग का सुझाव देता है।

➢ **प्रस्ताव को अस्वीकृत करना:**

- एंथ्रोपोसिन वर्किंग ग्रुप (एडब्ल्यूजी) ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद महत्वपूर्ण मानवीय गतिविधियों का हवाला देते हुए 1952 को एंथ्रोपोसिन युग की शुरुआत के रूप में प्रस्तावित किया।
- एक नए युग को परिभाषित करने के लिए अपर्याप्त साक्ष्य और मानदंडों के कारण चतुर्धातुक स्ट्रैटिग्राफी पर उप-आयोग (एसक्यूएस) द्वारा प्रस्ताव को वोट दिया गया था।
- आलोचकों का तर्क है कि प्रस्ताव ने पृथ्वी पर मानव प्रभाव के जटिल इतिहास को अधिक सरल बनाने का जोखिम उठाया और भूवैज्ञानिकों के बीच आम सहमति का अभाव था।

➢ **प्रासंगिकता:**

- चतुर्धातुक स्ट्रैटिग्राफी पर उप-आयोग के वोट ने एक परिभाषित एंथ्रोपोसीन युग के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिससे आज की मानव प्रभाव संबंधी अवधारणा प्रासंगिक बनी हुई है।
- कुछ वैज्ञानिक पृथ्वी पर मानव गतिविधि की परिवर्तनकारी प्रकृति को स्वीकार करते हुए एंथ्रोपोसीन को एक विशिष्ट युग के बजाय एक "घटना" के रूप में देखने का सुझाव देते हैं।
- औपचारिक वर्गीकरण के बावजूद, पृथ्वी पर मानव प्रभाव के साक्ष्य, भविष्य के पीढ़ियों की व्याख्या के लिए भूवैज्ञानिक रिकॉर्ड में बने रहेंगे।

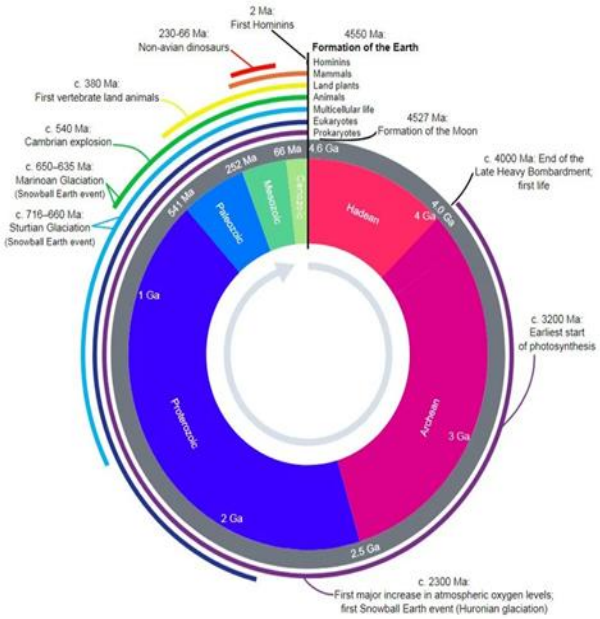

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 March, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भारत के राष्ट्रपति ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश और विदेश की सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में:

- महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।
- यह दिन लैंगिक समानता के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अधिक न्यायसंगत विश्व की दिशा में प्रगति का समर्थन करने के अवसर के रूप में कार्य करता है।
- संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष की थीम को **'महिलाओं में निवेश: प्रगति में तेजी लाने' (Invest in Women: Accelerate Progress)** के रूप में नामित किया है, जिसका फोकस आर्थिक अशक्तता को संबोधित करने पर है जबकि इस वर्ष के अभियान की थीम **'इंस्पायर इंक्लूजन' (Inspire Inclusion)** है।
- पहला राष्ट्रीय महिला दिवस 28 फरवरी, 1909 को संयुक्त राज्य अमेरिका में मनाया गया था जिसे सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका द्वारा न्यूयॉर्क में 1908 के कपड़ा श्रमिकों की हड़ताल की याद में आयोजित किया गया था जहां महिलाओं ने कामकाजी परिस्थितियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।
- बाद में 1910 में, क्लारा ज़ेटकिन ने कोपेनहेगन में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का प्रस्ताव रखा।

राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार

आज, भारत के प्रधान मंत्री नई दिल्ली के भारत मंडपम में पहला राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार प्रदान करेंगे।

राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार के बारे में:

- राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार डिजिटल रचनाकारों और प्रभावशाली लोगों के योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है।
- इस पुरस्कार का उद्देश्य कहानी कहने, सामाजिक परिवर्तन, पर्यावरणीय स्थिरता, शिक्षा और गेमिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता और प्रभाव को पहचानना है।
- राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार रचनात्मकता और सकारात्मक बदलाव लाने की इसकी क्षमता का उत्सव मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- बीस श्रेणियों में तीन अंतर्राष्ट्रीय रचनाकारों सहित कुल 23 विजेताओं का चयन किया गया है।
- यह पुरस्कार बीस श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा जिसमें सर्वश्रेष्ठ कहानीकार पुरस्कार, वर्ष का सेलिब्रिटी निर्माता, ग्रीन चैंपियन पुरस्कार और सामाजिक परिवर्तन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्माता शामिल हैं।

साहित्योत्सव

साहित्य अकादमी का 'साहित्योत्सव' विश्व का सबसे बड़ा साहित्यिक उत्सव है जो 11 से 16 मार्च तक आयोजित किया जाएगा।

साहित्योत्सव के बारे में:

- साहित्य अकादमी का साहित्योत्सव भारत का सबसे समावेशी साहित्यिक उत्सव है।
- यह भारतीय साहित्य और संस्कृति में साहित्य अकादमी के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया जाता है जो इस वर्ष साहित्य अकादमी की 70वीं वर्षगांठ का भी स्मरण करता है।
- उत्सव का मुख्य आकर्षण 12 मार्च को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाला साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 का प्रदान समारोह होगा, जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य कृतियों को सम्मानित किया जाएगा। प्रख्यात ओडिया लेखिका प्रतिभा राय पुरस्कार प्रदान समारोह की मुख्य अतिथि होंगी।
- विख्यात उर्दू लेखक और गीतकार गुलज़ार 13 मार्च को मेघदूत खुले रंगमंच पर संवत्सर व्याख्यान देंगे जो साहित्यिक और सांस्कृतिक विषयों पर गहन चर्चा का अवसर प्रदान करेगा।

गोविंद बल्लभ पंत

गोविंद बल्लभ पंत (1 सितंबर 1887 - 7 मार्च 1961)

- गोविंद बल्लभ पंत एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे। उनका जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा के पास स्थित खूंट गांव में हुआ था।

योगदान:

- गोविंद बल्लभ पंत ने 1937 से 1939 तक और बाद में 1946 से 1954 तक संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।
- 1955 से 1961 तक गृह मंत्री के रूप में कार्यरत पंत ने भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने का समर्थन किया।
- उन्होंने कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया और कुली-भिखारी कानून का विरोध किया जो बिना किसी भुगतान के भारी सामान ढोने के लिए कुली (कुली) का शोषण करता था।
- उन्होंने असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और 1930 में नमक सत्याग्रह आयोजित करने के लिए जेल गए थे।

पुरस्कार:

- पंत को 1957 में भारत रत्न (भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया था।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, करुणा, नेतृत्व, आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

अंगोला

हाल ही में, अकाल पूर्व चेतावनी प्रणाली नेटवर्क (FEWS NET) के विश्लेषण से पता चला है कि अंगोला में हरी फसलों की उपज औसत से थोड़ी कम रहने का अनुमान है जिससे तीव्र खाद्य असुरक्षा से निपटने में चुनौतियां खड़ी हो रही हैं।

अंगोला (राजधानी: लुआंडा)

अवस्थिति : अंगोला दक्षिणी अफ्रीका के पश्चिम-मध्य तट पर स्थित एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: अंगोला की सीमा पूर्व में जाम्बिया, पश्चिम में अटलांटिक महासागर, उत्तर में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो और दक्षिण में नामीबिया से लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- अंगोला की सबसे ऊँची चोटी माउंट मोको है।
- अंगोला की कुछ प्रमुख नदियों में कुंजा (सबसे लंबी नदी), ज़ाम्बेजी, क्वांगो, कुआंडो और कुनने नदियाँ शामिल हैं।
- अंगोला तेल, हीरे, लौह अयस्क, फॉस्फेट, तांबा, फेल्डस्पार, सोना, बॉक्साइट और यूरेनियम सहित प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है।

GHI रिपोर्ट: 2023 के वैश्विक भूख सूचकांक में 25.9 के स्कोर के साथ, अंगोला में भूख का स्तर गंभीर है।

POINTS TO PONDER

- कौन सी हालिया खोज फूरियर के नियम नामक मूलभूत सिद्धांत को चुनौती देती है जो बताता है कि ठोस पदार्थों के माध्यम से गर्मी कैसे विसृत है? – **ओम कानून**
- हाल ही में असम की किस सांस्कृतिक कलाकृतियों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया? – **माजुली मुखौटे और माजुली पांडुलिपि पेंटिंग**
- मोरक्को में लाला ललिया (Lala Lallia) के तारे के टीले की आयु का अनुमान लगाने के लिए यूके की शोध टीम ने किस तकनीक का उपयोग किया? – **ल्यूमिनसेंस डेटिंग**
- साक्ष्य के रूप में मृत्युपूर्व घोषणाओं की स्वीकार्यता को उचित ठहराने के लिए प्रायः किस लैटिन कहावत का हवाला दिया जाता है? – **निमो मैरिटुरस प्रेसुमंटूर मेंट्री**
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह में कौन सा द्वीप हाल ही में शामिल किए गए आईएनएस जटायु का नौसैनिक अड्डा है जो इस क्षेत्र में भारत के दूसरे नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्यरत है? – **मिनिकॉय**